"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ष : 17 अंक : 13 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 10 अप्रैल से 16 अप्रैल, 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

नमोकार महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक दुखों से मुक्ति दिलाता है : मुख्यमंत्री

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ ने विश्व नमोकार महामंत्र दिवस

पर कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती जैन तीर्थंकरों की पावन भूमि रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ। बुधवार को गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में 'जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन' द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवहारिक जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन–जन तक पहुंचाने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताते हुए कहा कि साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति ना केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा "पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा। सभी लोगों को जैन धर्म के उपदेशों को आत्मसात करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के इस महीने सऊदी अरब की यात्रा पर जाने की संभावना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अप्रैल में सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर जाने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य के साथ–साथ प्रस्तावित भारत–पश्चिम एशिया–यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) पर भी विचार–विमर्श होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संभवतः अप्रैल के तीसरे सप्ताह में सऊदी अरब की यात्रा करेंगे, जो करीब चार वर्षों के अंतराल के बाद इस खाड़ी देश की उनकी पहली यात्रा होगी।

तमिलनाडु में 10 बिलों को रोकना अवैध, राज्यपाल को दी नसीहत, संविधान से चलें, न कि पार्टियों की मर्जी से

नई दिल्ली । तमिलनाडु सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के 10 अहम विधेयकों को राज्यपाल आरएन रवि द्वारा रोके जाने को अवैध करार दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल की यह कार्रवाई मनमानी और संविधान के विरुद्ध है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि राज्यपाल को विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर समयसीमा में फैसला लेना चाहिए। अदालत ने कहा कि राज्यपाल को एक उत्प्रेरक की भूमिका निभानी चाहिए, न कि अवरोधक की। अदालत ने राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेजे जाने को भी अवैध बताया और इसे रद्द कर दिया। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि इन विधेयकों को उसी दिन से मान्य माना जाएगा, जिस दिन विधानसभा ने इन्हें दोबारा पारित कर राज्यपाल को भेजा था। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि राज्यपाल ने 12 में से 10 बिलों को बिना कारण बताए लौटा दिया और 2 बिलों को राष्ट्रपति के पास भेज दिया। बाद में 18 नवंबर 2023 को विधानसभा के विशेष सत्र में इन 10 बिलों को दोबारा पारित कर राज्यपाल को मंजूरी के लिए भेजा गया था, लेकिन राज्यपाल ने फिर भी इन पर कोई फैसला नहीं लिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि संविधान का अनुच्छेद 200 राज्यपाल को चार विकल्प देता हैःबिल को मंजूरी देना, रोकना, पुनर्विचार के लिए लौटाना या राष्ट्रपति के पास भेजना।

व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है भारत: विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क का प्रभाव फिलहाल ज्ञात नहीं है और इस स्थिति से निपटने के लिए नयी दिल्ली की रणनीति इस साल के अंत तक वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करना है। शुल्क को लेकर अमेरिकी नीति पर पहली विस्तृत प्रतिक्रिया के तहत जयशंकर ने कहा कि भारत शायद एकमात्र देश है जो ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद वाशिंगटन के साथ व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए समझ कायम करने के स्तर तक पहुंच गया है। विदेश मंत्री ने भारत समेत लगभग पांच देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लागू होने के कुछ घंटों बाद यह टिप्पणी की है। इससे बड़े पैमाने पर व्यापार व्यवधान और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका पैदा हो गई। भारत उन देशों में से एक है, जिन्होंने इस मामले पर प्रतिक्रिया देने में सतर्क रुख अपनाया है। भारत ने कहा कि वह द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत कर रहा है। न्यूज 18 राइजिंग इंडिया सम्मेलन में जयशंकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बात करना संभव है कि इसका क्या असर होगा, क्योंकि हम नहीं जानते। हमारी रणनीति क्या है? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा, हमने तय किया कि हम इन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन से जल्द ही बातचीत करेंगे। हम इस बात पर सहमत हुए हैं कि इस साल के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की कोशिश की जाएगी। फरवरी में वाशिंगटन डीसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच बातचीत के बाद, दोनों पक्षों ने 2025 के अंत तक बीटीए के पहले चरण पर बातचीत करने की घोषणा की थी। जयशंकर

ने कहा, मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद हम एकमात्र देश हैं, जो वास्तव में सैद्धांतिक रूप से इस तरह की समझ तक पहुंच पाए हैं।

प्रदेश में वाहन खरीदना होगा महंगा, 10 लाख की गाड़ी के लिए देने होंगे अतिरिक्त 10 हजार रुपये

लखनऊ(संवाददाता)। प्रदेश में दो पहिया और चार पहिया वाहन खरीदना महंगा हो गया है। सरकार ने वाहन खरीद पर एक फीसदी रोड टैक्स बढ़ा दिया है। अभी तक जिन दो पहिया वाहन का मूल्य एक लाख है। अब उन पर एक हजार रुपया अतिरिक्त खर्च करना पड़ेगा। इसी तरह 10 लाख तक के चार पहिया वाहन पर 10 हजार रुपया अतिरिक्त देना होगा। परिवहन विभाग के इस प्रस्ताव को मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दे दी गई है। परिवहन निगम की ओर से राजस्व में वृद्धि एवं परिवहन विभाग के कर ढ़ांचे में परिवर्तन करने के लिए उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम 1997 की धारा 4(1) के अधीन पूर्व में निर्गत अधिसूचनाओं को अवक्रमित करते हुए नवीन अधिसूचना जारी करने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे कैबिनेट ने मंजूर कर दिया है। नई अधिसूचना जारी होते ही अब प्रदेश में गाड़ी खरीदना महंगा हो जाएगा । अभी तक 10 लाख से कम कीमत की नॉन एसी गाड़ी पर सात फीसदी टैक्स लगता था, जो बढ़कर अब आठ फीसदी हो जाएगा। इसी तरह 10 लाख से कम कीमत वाली वातानुकूलित गाड़ी पर अब तक आठ प्रतिशत टैक्स लगता था, जो अब नौ फीसदीऔर 10 लाख से अधिक कीमत वाली चार पहिया वाहनों पर अब 10 के बजाय 11 फीसदी टैक्स देना होगा। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि निजी हल्के वाहनों पर रोड टैक्स करीब 10 साल बाद बढ़ाए गए हैं। महाराष्ट्र, राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से तुलना की जाए तो अभी भी उत्तर प्रदेश में रोड टैक्स कम है। अधिसूचना के मुताबिक 40 हजार से कम कीमत वाले दो पहिया वाहन पर पहले की तरह सात फीसदी की टैक्स लिया जाएगा, जबकि 40 हजार से अधिक मूल्य के दो पहिया वाहनों पर एक फीसदी अधिक टैक्स देना होगा। माल वाहक के रूप में प्रयोग होने वाले 7.50 टन से अधिक भार वाले वाहनों को अब तिमाही के बजाय एक मुश्त टैक्स देना होगा। इससे उन्हें बार– बार कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वे खरीदते समय ही रोड टैक्स जमा कर देंगे। इसकी दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रदेश में वाहनों पर रोड टैक्स एक फीसदी बढ़ाने से परिवहन विभाग को करीब 412 से 415 करोड़ तक अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। परिवहन विभाग इलेक्ट्रिक वाहनों की करीद पर कई तरह की छूट दे रही है। इससे विभाग को करीब एक हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। रोड टैक्स में बढोतरी से इस नुकसान की भरपाई की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश में इन दिनों करीब 4.82 करोड़ गाड़ियां हैं। हर साल औसतन 30 से 32 लाख गाड़ियों की संख्या बढ़ती है। विभाग को वाहनों के चालान से शमन शुल्क के रूप में हर साल करीब 165.74 करोड़ रुपये का राजस्व आता है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, अस्पताल में हंगामा

लखनऊ(संवाददाता)। महानगर के हनुमान सेतु के पास रहने वाली शालिनी सोनी (24) की मंगलवार शाम को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके वालों ने सिविल अस्पताल में पति पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने समझा–बुझाकर शांत कराया। मृतका की बहन जानकीपुरम विस्तार निवासी संतोष सोनी ने बताया कि शालिनी की शादी 2021 में महानगर स्थित हनुमान सेतु के पास रहने वाले विष्णु सोनी से हुई थी। विष्णु प्राइवेट नौकरी करता है। दोनों की एक बेटी है। संतोष के अनुसार शाम करीब चार बजे सूचना मिली की शालिनी कि तबीयत खराब है। सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मायके वाले अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि शालिनी की मौत हो चुकी है। नाराज मायके वालों ने पति पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया कि मायके वालों ने पोस्टमार्टम के बाद तहरीर देने की बात कही है।

सर्किल रेट बढ़ेगा, जमीन खरीदना होगा महंगा

सीतापुर(संवाददाता)। दस साल बाद जिला प्रशासन ने भू संपत्तियों का सर्किल रेट बढ़ाने के फैसले पर मुहर लगा दी है। वर्ष 2015 के बाद जिले में सर्किल रेट की दरों में बड़े बदलाव की तैयारी है। हालांकि वर्ष 2019 में आंशिक रूप से कुछ स्थानों की दरों में परिवर्तन हुआ था। डीएम अभिषेक आनंद के आदेश पर 1 दिसंबर 2015 को स्टांप एवं पंजीयन अनुभाग–2 के आदेश के अनुसार वर्तमान में प्रचलित सर्किल रेट का पुनरीक्षण कर मूल्यांकन सूची में बदलाव किया जा रहा है। इसके लागू होने से जिलेभर में जमीन खरीदना और मकान बनाना 30 फीसदी तक महंगा हो जाएगा। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार नए सर्किल रेट में हाईवे किनारे की जमीनों पर 30 फीसदी तक बढ़ोत्तरी की तैयारी है। वर्तमान में प्रतिदिन जमीनों की रजिस्ट्री से करीब 90 लाख से एक करोड़ रुपये तक के राजस्व की प्राप्ति होती है। सर्किल रेट की दरों में बढ़ोतरी के बाद भू संपत्तियों के बैनामों से होने वाली राजस्व आय एक करोड़ 40 लाख रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके लिए डीएम की अध्यक्षता में निबंधन व प्रशासन से जुड़े 12 अफसरों की एक विशेष बैठक हुई है।इसमें अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह के साथ सहायक महानिरीक्षक निबंधन जगदंबा शुक्ला, सातों तहसील के एसडीएम, उपनिबंधक सदर राजीव त्रिपाठी व चार अन्य उपनिबंधक शामिल हुए। इसमें सभी ने सर्किल रेट की मूल्यांकन सूची में अंकित दरों को व्यवहारिक बनाने के साथ बाजार मूल्य के समरूप करने का प्रस्ताव रखा। बैठक में नौ प्रमुख बिंदुओं पर हुई चर्चा के बाद इस पर सबकी सहमति भी बनी है। सर्किल रेट की बढ़ी दरों को एक माह में लागू किए जाने की तैयारी है।

कारों की ब्रिकी में प्रदेश में बना रिकॉर्ड, 4.43 लाख कार बिक्री के साथ देश में दूसरे स्थान पर

लखनऊ(संवाददाता)। यात्री कारों की बिक्री की रेस में उत्तर प्रदेश ने नया रिकॉर्ड बनाया है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान प्रदेश 4.43 लाख कारों की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वहीं, महाराष्ट्र 4.68 लाख कार बेचकर पहले स्थान पर रहा। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु उत्तर प्रदेश से बहुत पीछे छूट गए हैं। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री का मानना है कि प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय बढ़ने और आर्थिक गतिविधियों में तेजी की वजह से कार खरीदने वालों की संख्या बढ़ी है। यही रफ्तार रही तो प्रदेश इस साल कार बिक्री के मामले में देश में पहले नंबर पर पहुंच जाएगा। एक साल में पांच लाख कारों की बिक्री की दहलीज पर खड़े उत्तर प्रदेश ने ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को हैरान कर दिया है। प्रदेश महाराष्ट्र से महज 25 हजार कार पीछे है। पश्चिम बंगाल इस मामले में शीर्ष 10 राज्यों की सूची से बाहर हो गया है। पिछले तीन साल में यूपी ने कारों की बिक्री में वृद्धि दर्ज की है। वर्ष 2023–24 में 3.96 लाख, तो वर्ष 2022–23 में 3.49 लाख कारें बिकी थीं। ई वाहन सेक्टर में पिछले तीन वर्ष में सबसे तेज वृद्धि देखी गई है। प्रदेश में वर्ष 2022 में 1.62 लाख ई वाहन बिके थे, जो 2023 में 2. 78 लाख हो गए। वर्ष 2024 में 3. 02 लाख ई वाहन बिक गए। तीन वर्ष में ही करीब 100 फीसदी वृद्धि के साथ ये सेक्टर सबसे आगे निकल गया है। इस अवधि में पेट्रोल वाहनों की बिक्री करीब नौ और डीजल वाहनों की करीब 5 फीसदी बढ़ी है। वहीं, बीते दो वर्ष में सीएनजी वाहन खरीदने वाले 57 हजार से 37 हजार रह गए हैं।

प्रतिबंध का असर नहीं, दौड़ते रहे डग्गामार वाहन

बहराइच (संवाददाता)। शहर के रोडवेज बस अड्डे के आसपास करीब आधा दर्जन स्थानों से डग्गामार वाहनों का संचालन हो रहा है। वहीं, रूपईडीहा डिपो के समीप से ही अवैध तरीके से स्टैंड का संचालन किया जा रहा है। वाहन संचालक सवारियों को भूसे की तरह भरकर वाहनों का संचालन कर रहे हैं। निगम को हो रहे नुकसान को देखते हुए राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक ने रोडवेज बस अड्डे से एक किलोमीटर की परिधि में वाहन स्टैंड के संचालन पर रोक लगा दी थी, लेकिन डग्गामार वाहन संचालक परिवहन निगम के निर्देशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। बीते सोमवार को रोडवेजकर्मियों द्वारा किए गए चक्काजाम के बाद एआरटीओ प्रवर्तन ने डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिलाया था, लेकिन मंगलवार को भी बस अड्डे के पास से डग्गामार वाहनों के चलने का सिलसिला जारी रहा।

बकाया न चुकाने पर दो दुकानें सील

खैराबाद (सीतापुर)। नोटिस के बाद भी किराया न चुकाने पर नगर पालिका प्रशासन ने दो दुकानों को सील कर दिया। बकायेदारों को तत्काल भुगतान करने की हिदायत दी है। भुगतान न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। शासन की ओर से राजस्व संग्रह एवं कर वसूली बढ़ाने को लेकर लगातार जोर दिया जा रहा है। मंगलवार को ईओ प्रेम शंकर गुप्ता, राजस्व निरीक्षक रामदेव वर्मा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मनोज कुमार राना, कस्बा इंचार्ज अवधेश यादव ने पहुंचकर सब्जी मंडी के करीब स्थित दो दुकानें सील कर दीं। जिन दुकानों पर कार्रवाई की गई है उनमें जाहिद अली व मुनीर अहमद शामिल हैं। अधिशासी अधिकारी प्रेम शंकर गुप्ता ने बताया कि पांच अप्रैल को नोटिस देकर बकाया भुगतान करने को कहा गया था लेकिन समय बीत जाने के बाद भी दोनों दुकानदारों ने भुगतान नहीं किया। इसके बाद मौके पर ही अन्य बकायेदारो से 83 हजार रुपये वसूले गए।

घर में फंदे से लटका मिला महिला का शव

चितौरा (बहराइच) (संवाददाता)। रेवली निवासी सुमन देवी (35) का शव कमरे में लगे कुंडे के सहारे फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुंची कोतवाली देहात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुमन के पति रामू ने बताया कि हर दिन की तरह सोमवार को भी खाना खाने के थोड़ी देर बाद वह अपने कमरे में सोने चली गई थी और वह छत पर सोने के लिए चला गया था। सुबह जब वह छत से नीचे आया तो देखा कि वह सोकर नहीं उठी है। इस पर उन्होंने दरवाजा खटखटाया। कोई आहट नहीं मिली तो वह दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो देखा कि सुमन का शव कमरे की छत के कुंडे के सहारे फंदे से लटक रहा है। परिवार के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के परिजनों की तरफ से इस मामले में कोई तहरीर नहीं दी गई है।

आहत होती लोकतांत्रिक गरिमा, न्यायपालिका को आगे आना होगा

गत वर्ष के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस के 10 विधायकों और आठ विधान परिषद सदस्य दलबदल कर कांग्रेस में शामिल हो गए। बीआरएस ने तेलंगाना विधानसभा स्पीकर से अनुरोध किया कि इन विधायकों की सदस्यता समाप्त की जाए। इस पर स्पीकर की हीलाहवाली के चलते मामला हाई कोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। जिस पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि इन सदस्यों के निर्वाचन क्षेत्रों में उपचुनाव नहीं होंगे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि मुख्यमंत्री ने ऐसा कहकर दलबदल विरोधी कानून का मजाक उड़ाया है। अदालत ने कहा, स्पीकर इस पर क्या फैसला करते हैं, उस पर हमारा कुछ नहीं कहना। हालांकि स्पीकर को एक उचित समयसीमा के भीतर फैसला कर देना चाहिए। यदि वह अदालत के इस अनुरोध का पालन नहीं करते तब हम शक्तिहीन होकर नहीं बैठे रह सकते। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत हमें विशेष परिस्थितियों से निपटने के लिए शक्ति उपलब्ध है।

हम संविधान के संरक्षक की हैसियत से अपनी शक्ति का उपयोग करेंगे।' ऐसी अदालती फटकार के बाद यह मामला एक समयसीमा के भीतर सुलझ जाने की उम्मीद बंधी है। हालांकि ऐसा यह इकलौता मामला नहीं है। वर्ष 2021 में बंगाल में हुए दलबदल में स्पीकर की संदिग्ध भूमिका को लेकर भी शीर्ष अदालत को ऐसा ही आदेश देना पड़ा था।

यह मामला भाजपा विधायक मुकुल राय से जुड़ा था। उनके दलबदल पर स्पीकर कार्रवाई नहीं कर रहे थे। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, 'स्पीकर को ऐसे मामले में अधिकार इसलिए दिया गया है ताकि वह स्वतंत्र रूप से निर्णय कर सकें, पर उम्मीद के विपरीत यह आम प्रथा चल पड़ी है कि ऐसे मामलों को महीनों और वर्षों तक लटकाए रखा जा रहा है।' दलबदल और नैतिकता का ह्रास ही नहीं कानूनी और संसदीय आचरण के मामले में स्थिति इतनी बिगड़ती जा रही है कि आए दिन संविधान और विधायिका संस्था की गरिमा को ठेस पहुंच रही है। अब सुप्रीम कोर्ट को ही कुछ कदम उठाने पड़ेंगे। अन्यथा संविधान के संरक्षक के रूप में उसके दायित्व का अपेक्षा के अनुरूप पालन नहीं हो पाएगा। मौजूदा स्थिति से चिंतित कई लोग यह चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से एक उच्चाधिकार प्राप्त आयोग बने। वह संसदीय जनतंत्र की गरिमा को बहाल करने के लिए ठोस सुझाव दे। संसदीय एवं लोकतांत्रिक गरिमा को चोट पहुंचाने वालों के लिए कड़ी सजा का प्रविधान करे। यह बहुत आवश्यक हो चला है, क्योंकि पीठासीन अधिकारियों के तमाम प्रयासों के बावजूद इन दिनों विधायी संस्थाओं का प्रभावी संचालन नहीं हो पा रहा है। इस पर आम लोगों का दुखी होना स्वाभाविक है।

यह देखने में आता है कि संसद–विधानसभा में कोई भी सदस्य उठकर जो चाहे बोलने लगता है। नियम यह है कि किसी के खिलाफ सदन के भीतर आरोप लगाने से पहले सदस्य उन आरोपों के आलोक में पीठासीन पदाधिकारी से उस पर बोलने की पूर्व अनुमति प्राप्त करे। अब शायद ही इस परंपरा का पालन होता है। सदन की कार्यवाही के सीधे प्रसारण के कारण आरोप की जानकारी सार्वजनिक हो जाती है। बाद में आरोप को कार्यवाही से निकाल दिया जाता है। इससे कोई लाभ नहीं होता, क्योंकि आरोप लगाने वाला अपने उद्देश्य में सफल हो जाता है। संसदीय विशेषाधिकारों के चलते आरोप लगाने वाला कानूनी शिकंजे से भी बच निकलता है। अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्रित्व काल में आम तौर पर दिल्ली विधानसभा का सत्रावसान नहीं कराया जाता था। जब चाहे सदन की बैठक बुलाकर केजरीवाल अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपुष्ट आरोपों की झड़ी लगा देते थे। यदि वही बात वह सदन से बाहर बोलते तो उन पर मानहानि का केस हो सकता था। कई और विसंगतियां भी लोकतांत्रिक संस्थानों की छवि पर आघात कर रही हैं। नेताओं की चमड़ी इतनी मोटी होती जा रही है कि वे गंभीर मामलों में लिप्त होने के बावजूद अपने पदों से इस्तीफा देना तो दूर न्यूनतम शालीनता का परिचय भी नहीं दे रहे। इस मामले में एक पुराना मामला मिसाल है। यह तब की बात है, जब नेहरू प्रधानमंत्री थे। एक दिन लोकसभा में बिहार के एक कांग्रेसी सांसद ने आचार्य जेबी कृपलानी को सीआइए का एजेंट कह दिया। इससे आचार्य जी को गहरा सदमा लगा। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। प्रधानमंत्री उन्हें देखने अस्पताल गए। टिप्पणी करने वाले नेता को जब बुलाया गया तो उसकी उम्मीदें इस आशा के साथ परवान चढ़ गईं कि संभव है कि पंडित जी इससे खुश हुए तो मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। वह सज–धज कर तीन मूर्ति भवन पहुंचे। नेहरू जी ने आचार्य जी से अशिष्ट व्यवहार करने के लिए उन्हें इतना डांटा कि उनकी हालत खराब हो गई। उस घटना के बाद वह सांसद नेहरू जी के सामने आने से कतराते रहे। कल्पना कीजिए कि आज की तरह यदि तब भी संसद की कार्यवाही का सीधा प्रसारण हो रहा होता तो आचार्य जी की क्या स्थिति हुई होती? तब ऐसी घटनाएं भी इक्का–दुक्का थीं। राजनीति में लोकलाज की भावना बनी हुई थी। आचार्य कृपलानी पर टिप्पणी कार्यवाही से निकाल दी गई। इसलिए वह अखबारों में भी नहीं छपी। इसके उलट आज क्या स्थिति है?

बीते दिनों सपा के रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा के बारे में संसद में जो कुछ कहा, उसे कार्यवाही से निकालने का क्या लाभ जब दुनिया उससे परिचित हो गई। ऐसे मामलों की सूची अंतहीन है। बेलगाम होती वर्तमान स्थिति पर लगाम लगाने के लिए कुछ उपाय आवश्यक हो गए हैं। एक उपाय तो संसदीय कार्यवाही के सीधे प्रसारण पर रोक लगाने का है। या फिर उसे रिकार्ड कर संपादन के उपरांत प्रसारित किया जा सकता है। एक उपाय यह भी हो सकता है कि सदन में कही गई बातों पर विशेषाधिकार समाप्त किए जाएं। ऐसी बातों पर कानूनी कार्रवाई का विकल्प होना चाहिए। यदि विधायिका और कार्यपालिका लोकतंत्र की गरिमा को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाते तो फिर न्यायपालिका को ही आगे आना होगा।

गर्मियों के दौरान एक्सरसाइज करते समय न करें ये 5 गलतियां, रहेंगे फिट

गर्मियों में एक्सरसाइज करते समय कई लोग कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो उनके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। हालांकि, अगर आप इन

गलतियों को समझ जाते हैं तो आप इन्हें करने से बच सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

आइए आज हम आपको ऐसी ही पांच गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको गर्मियों के दौरान एक्सरसाइज करते समय बचना चाहिए।

पानी पीने में लापरवाही

गर्मियों में पसीना अधिक आता है, जिसके कारण शरीर से नमक और पानी की अधिक मात्रा में कमी होती है।

इस कारण शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जो कि एक गंभीर समस्या है। इससे बचने के लिए पानी का पूरा ध्यान रखें। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं और साथ ही नारियल पानी या ताजे फलों के रस का सेवन भी करें। इससे शरीर को जरूरी तत्व भी मिलेंगे।

आराम को नजरअंदाज करना

अगर आप गर्मियों के दौरान एक्सरसाइज करते समय समय पर आराम नहीं करते हैं तो इससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

आराम न करने से शरीर में सूजन और दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे आपकी फिटनेस पर बुरा असर पड़ता है।

इसलिए आराम करना न भूलें। जब आपको थकान महसूस हो तो एक्सरसाइज भी न करें क्योंकि इससे शरीर को ठीक करने का समय नहीं मिल पाता है।

जरूरत से ज्यादा पानी पीना

गर्मियों के दौरान एक्सरसाइज करते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप जरूरत से ज्यादा पानी पीने लगें।

अधिक पानी पीने से शरीर में तत्वों का संतुलन बिगड़ सकता है।

इसके कारण आपको शरीर में कमजोरी, चक्कर आना, मतली और उल्टी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे शरीर में पानी की कमी भी हो सकती है।

सही आहार न लेना

अगर आप एक्सरसाइज करने के बाद भी आहार पर ध्यान नहीं देते हैं तो इससे आपकी फिटनेस पर बुरा असर पड़ सकता है।

एक्सरसाइज के बाद प्रोटीन युक्त आहार का सेवन करना चाहिए क्योंकि यह मांसपेशियों को ठीक करने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।

इसके अतिरिक्त शरीर को ठंडक देने के लिए नारियल पानी, ताजे फलों का रस या छाछ का सेवन करें।

अधिक समय तक एक्सरसाइज करना

कुछ लोग मानते हैं कि अधिक समय तक एक्सरसाइज करने से फिटनेस बेहतर होती है, जबकि ऐसा नहीं है।

फिटनेस को बेहतर बनाने के लिए जरूरी है कि आप अपनी एक्सरसाइज को सही तरीके से करें और इसके लिए आपको ज्यादा समय तक एक्सरसाइज करने की जरूरत नहीं है।

बेहतर होगा कि आप रोजाना 30 से 45 मिनट तक एक्सरसाइज करें। इसके अलावा एक्सरसाइज के दौरान अपनी क्षमता से अधिक वजन न उठाएं।

सम्पादकीय...

बेहतर स्वास्थ्य ही मनुष्य की सर्वाधिक मूल्यवान संपदा

बेहतर स्वास्थ्य को मानव जीवन के विकास की कुंजी माना जाता है। भारतीय मान्यताओं में मनुष्य के 'पहले सुख्य के रूप में 'निरोगी कायाय को ही निरूपित किया गया है। कहावत प्रचलित है, 'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता हैय। ऐसे में हम कह सकते हैं कि स्वास्थ्य ही मनुष्य की सर्वाधिक मूल्यवान संपदा है। स्वास्थ्य के अनेक संकेतक बताते हैं कि विकसित और विकासशील राष्ट्र सभी अपने–अपने तरह की स्वास्थ्य चिंताओं से घिरे हैं, और इनसे निकलने के लिए प्रयासरत हैं। अनेक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के बावजूद संचारी और गैर–संचारी बीमारियों का दायरा अभी भी बहुत व्यापक है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में भले ही कमी आई हो परंतु आज भी बड़ी संख्या में माताओं और बच्चों की प्रसव संबंधी कारणों से मृत्यु हो रही है। इन चिंताओं के प्रति सजगता पैदा करने के उद्देश्य से डब्ल्यूएचओ की पहल पर प्रत्येक वर्ष 7 अप्रैल को 'विश्व स्वास्थ्य दिवसय के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 2025 के लिये डब्ल्यूएचओ ने मातृ और शिशु स्वास्थ्य को गंभीर मुद्दा मानते हुए 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्यय जैसी संवेदनशील विषय पर थीम रखी है। इस वर्ष की थीम सुनिश्चित करने का प्रयास है कि माताओं और नवजात शिशुओं को जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं मिलें ताकि भविष्य में आने वाली पीढ़ी स्वस्थ और सशक्त हो। भारत के दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सेवाओं को देखने से एक लंबा एवं प्रभावकारी बदलाव दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों ने मनुष्य के स्वास्थ्य को बेहतर बनाया है। लेकिन इसके बाद भी प्रत्येक वर्ष भारत में गर्भावस्था–प्रसव से जुड़े कारणों से लगभग बीस हजार महिलाओं की मृत्यु हो जाती है। आश्चर्यजनक बात यह है कि इन मौतों में से अधिकांश ऐसे कारणों से हो रही हैं, जिन्हें सजगता, सावधानी और ससमय उपाय करके रोका जा सकता है। कवि सोहन लाल द्विवेदी ने कहा है, 'असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो, क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।य इससे प्रेरणा लेकर स्वास्थ्य सेवा तंत्र, संगठन और हर जिम्मेदार नागरिक को अपने दायित्वों के प्रति विचार करना चाहिए और आवश्यक पहल कर सुधार प्रक्रिया का सारथी बनना चाहिए। अधिकांश लोग इस बात से अनभिज्ञ हैं कि एक महिला गर्भकाल में किन–किन स्वास्थ्य चुनौतियों जैसे मैटरनल एनिमिया, प्रग्नेंसी के कारण हाइपरटेंशन, डायबिटीज और अन्य संक्रमण और बीमारियां, जो पहले से मौजूद होती हैं जैसे हेपाटाइटिस, एचआईवी, थायराइड, हृदय रोग एवं अन्य संचारी–गैर संचारी संक्रमणों/बीमारियों से गुजरती है। इन सब बीमारियों/संक्रमण की समय रहते जांच करा क र महिला एवं बच्चे को स्वास्थ्य खतरों से बचाया जा सकता है। गर्भावस्था के दौरान बीपी और शुगर बढ़ने का असर मां के स्वास्थ्य पर तो पड़ता ही है, जन्म लेने वाले बच्चे को भविष्य में हाइपरटेंशन और डायबिटीज होने की आशंकाएं भी इसी काल में जन्म लेती हैं। यदि हम नवजात शिशु के स्वास्थ्य की शुरुआती देखभाल की बात करें तो सर्वप्रथम उसे 'मां का पहला दूध (कोलोस्ट्रम)य, पहले छह माह 'पूर्णतः स्तनपानय, छह माह के बाद 'स्तनपान भी, आहार भीय, 'अनिवार्य टीकेय और आवश्यक 'पोषणय दिया जाना महत्त्वपूर्ण है। जन्म के पहले 1000 दिन (गर्भधारण से लेकर 2 साल तक) बच्चे के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान देखभाल से मां के साथ–साथ बच्चे को भविष्य में कुपोषण, निमोनिया/डायरिया, मोटापा (चाइल्डहुड ओबेसिटी) जैसे रोगों से बचाया जा सकता है। आज के दिन मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य की बात हो रही है, तो बताना जरूरी है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व कार्यक्रम, टीकाकरण तथा अन्य विभागों द्वारा एनिमिया–मुक्त भारत, राष्ट्रीय पोषण मिशन, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना जैस कार्यक्रम चला कर व्यापक स्तर पर बदलाव लाने की कवायद की जा रही है। गर्भवती महिलाओं को गर्भकाल में निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सेवाएं सरकारी सेवा केंद्रों के साथ–साथ प्रत्येक माह की 1, 9, 16 एवं 24 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस में वाउचर जारी कर निजी क्षेत्र के अल्ट्रासाउंड केंद्रों से उपलब्ध कराई जा रही हैं। आवश्यकता इस बात है कि गर्भधारण होते ही शीघ्र पंजीकरण, चार अनिवार्य जांचें, अल्ट्रासाउंड, आयरन व कैल्शियम की गोलियों का नियमित सेवन करने के लिए महिलाएं स्वयं तैयार हों एवं उन्हें परिवार का समर्थन भी मिले। स्वास्थ्य मौलिक अधिकार है, और इसे सुनिश्चित करने के लिए सरकार के साथ–साथ सभी नागरिकों/संगठनों को यथासंभव अपने स्तर से स्वास्थ्य सेवाओं की ग्राह्यता बढ़ाने के लिए पहल करनी होगी। तभी हम सशक्त राष्ट्र के निर्माण का सपना पूरा होता देख सकेंगे।

फर्क साफ नजर आता है

पहले हमारे देश में बड़े बड़े अपराधी आतंकवादी बड़े बड़े कांड करके देश से फरार हो जाते थे।वो ऐसे देश में जाते थे,जहाँ से भारत और उस देश से प्रत्यर्पण की संधि नहीं रहती थी।उसी में एक देश अमेरिका भी था।अमेरिका की खास बात यह थी कि वह किसी भी देश के दुर्दांत अपराधी को, जो उसके यहाँ किसी तरह पहुँच जाता था।उसे किसी भी कीमत पर उस देश को नहीं सौंपता था।ए पहली बार शायद हो रहा है कि अमेरिका किसी दुर्दांत अपराधी को भारत को सौंप रहा है।यह भारत की उभरती ताकत और सशक्त विदेश नीति का परिणाम है।आज भारत को बहुत असहनीय दर्द देने वाला तहव्बुर राणा आखिर में मिल ही गया।भारत के जख्म पर थोड़ा सा मरहम लग गया।बर्तमान सरकार जब से सत्ता सम्हाली है।यह फर्क साफ नजर आ रहा है।जिस देश से प्रत्यर्पण संधि नहीं थी उस देश से भी प्रत्यर्पण संधि करके लगभग देश छोड़कर भागने वालों के रास्ते बंद कर दिये हैं।आर्थिक अपराधियों के ऊपर भी नकेल कस दी है।जैसे विजय माल्या नीरव मोदी आदि बैंको से लोन लेकर भाग लिए।अब नहीं भाग सकते।क्योंकि पिछली सरकारों ने जो ऐसे अपराधियों को भागने की छूट दे रखी थी।बर्तमान सरकार ने उस पर लगाम लगा दी है।अब बड़ा बैंकिग फ्राड करके कोई भारत से भाग नहीं सकता।और कोई अपराधी आतंकी बच नहीं सकता।यह बहुत बड़ा फर्क जो भारत में आया है,वह 2014 के बाद ही आया है।जो तहव्बुर राणा कनाडाई नागरिक बनकर अब तक बचा रहा,वह आज भारत के चंगुल में आ गया।यह भारत सरकार की विदेश नीति की जीत है।

आज मुम्बई की वह काली और भयावह रात याद आ रही है,जब सैकड़ों निर्दोष भारतीय काल कवलित हुए थे।जिसकी बदौलत हुए थे वह 17 साल बाद आज भारत की पकड़ में आया।इस पर भी पूर्ववर्ती सरकार के व बर्तमान विपक्ष के लोग खुश नहीं हैं।क्योंकि यही वो लोग थे जो,उस कांड को हिन्दू आतंकवाद से जोड़कर लोगों को बताने की पूरी कोशिस किये थे।वो तो भला हो उन वीर शहीदों को,जो इन धुर्तों की चाल को कामयाब नहीं होने दिए।जान की बाजी लगाकर एक जीवित आतंकी को पकड़ ही लिए।और कुत्सित चाल चलने वालों को व हिन्दू को बदनाम करने वालों की सफलता पर पानी फेर दिए।आज यही फर्क तब और अब में साफ नजर आ रहा है।तब आतंकवादियों की मेहमान नवाजी होती थी।अब ठुकाई होती है।तब शहर दर शहर आतंकवादी गतिविधियाँ चलती थी।अब विकास की बयार बह रही है।और आतंकी नक्सली अपनी अंतिम साँसे गिन रहे हैं।

एक छोटा सा देश इजराईल है,वह अपने नागरिकों का बदला बिना किसी दबाव के तुरंत लेता है।जब भी उसकी अस्मिता पर चोट होती है तो वह बेझिझक बिना देर किए चोट पहुँचाने वाले देश को ऐसी चोट देता है कि उसकी कई पुस्तें उसे याद रखती हैं।अभी पिछले दिनों ही फिलिस्तीनियों ने सुनियोजित ढंग से उसके नागरिकों पर कई तरफ से ताबड़तोड़ हमले करके उसे काफी क्षति पहुँचाई।उसने बिना देर कि फिलिस्तीन ही नहीं उसके समर्थक देशों को भी कठोर दंड दिया और दे रहा है।अपने अपहृत नागरिकों की रिहाई के लिए वह अब तक हमास के हजारों लड़ाकों हिजबुल के हुती के सैकड़ों लड़ाकों की बलि ले चुका है।क्षति तो इतनी पहुँचाई है कि उन देशों को सम्हलने में वर्षों लग जायेंगे।पता नहीं सम्हल भी पायेंगे कि नहीं।लेकिन वहीं हमारी पिछली सरकारें आतंकियों को बचाने में और हिन्दू आतंकवाद गढ़ने में देश का समय और पैसा दोनों बर्वाद करती रहीं।वहीं इजराईल ने इजराईल नुकसान पहुँचाने वालों को उनकी माई नानी यहाँ तक की कई पुस्तें याद दिला दी।भारत और इजराईल में विगत में यह बहुत बड़ा फर्क था।मगर पिछले कुछ अर्से से जब से भारत में सच में भारत की सरकार बनी है,तब से यहाँ भी अब आतंकियों की नानी याद आने लगी है।और भारतियों को उम्मीद जगी है कि यह सरकार जल्द ही आतंक और नक्सल से निजात दिलायेगी।यह फर्क तब और अब में साफ नजर आ रहा है।पहले हर जगह यह बात लिखी रहती थी कि किसी भी लावारिस वस्तु को न छूवें।यह बम हो सकती है।आपकी सिट के नीचे भी बम हो सकता है।हर जगह भय व्याप्त था।लोग सुबह घर से निलते थे,शाम को घर पर पहुँचने के बाद ही सकून की साँस लेते थे।आज सभी बिन्दास चल रहे हैं।यह सम्भव किया है तो,इस सरकार ने किया है।यह फर्क आज साफ नजर आ रहा है कि लोग भयहीन हर जगह आ जा रहे हैं।यह भय नहीं सता रहा है कि शाम को सकुशल घर पहुँचेंगे कि नहीं।

आज जब तहव्बुर राणा भारत के शिकंजे में आया है तो आज का विपक्ष पता नहीं खुश क्यों नहीं है।उसे तहव्बुर राणा की भारत के शिकंजे में आने की खुशी नहीं है।वह यह कहने में लगा हुआ है कि विजय माल्या व नीरव मोदी को भी ले आओ,जो इनकी ही गलत नीतियों के चलते धीरे से भाग लिए।यदि ये लोग आज की तरह नियम बनाये होते तो वो लोग भाग ही नहीं सकते थे।इसके बावजूद भी बर्तमान सरकार उनकी ऐसी तैसी कर रखी है।और वे भी शीघ्र भारत के शिकंजे में होंगे।यह हम भारतियों को भरोसा है।यह भरोसा इस सरकार ने हम भारतियों में जगाया है। मुम्बई में जब 2008 में भीषण आतंकी हमला हुआ था तो तत्कालीन सरकार आतंकियों को बचाने और हिन्दू आतंकवाद को गढ़ने में मशगूल थी।वहीं बर्तमान सरकार ने हर आतंकी हमले के बाद आतंक का पोषण करने वाले देश की ऐसी तैसी कर दी।विगत सरकारें उस देश का कुछ नहीं उखाड़ पा रही थीं।देश के नौजवान सैनिक आफिसर मारे काटे जाते थे।तत्कालीन सरकारें बस कठोर जवाब देकर अपनी इति श्री मान लेती थीं।बर्तमान सरकार एक अभिनंदन के लिए आतंक को पोषित करने वाले देश की बैंड बजा दी।उसे इतना मजबूर कर दिया कि वो घुटने के बल अभिनंदन को सकुशल रात भीतर में ले आकर भारत को सौंप दिया।यह फर्क तब और अब में साफ नजर आ रहा है।इसलिए आज का विपक्ष तहव्बुर राणा की गिरफ्तारी से खुश नहीं है।लेकिन हर सच्चा भारतीय आज बहुत खुश होगा।उस दिन तो और खुश होगा,जब वह सारे राज उगलेगा। और उसको उसके किए की उचित सजा मिलेगी।

–पं.जमदग्निपुरी

युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से रोजगार और अर्थव्यवस्था को गति देने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य कौशल विकास मिशन ने प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोल दिए हैं। प्रदेश में उभरते क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया, मनोरंजन, और नागरिक उड्डयन में रोजगार की अपार संभावनाओं को देखते हुए सरकार ने इन सेक्टर्स में विशेष कौशल प्रशिक्षण योजनाओं की शुरुआत की है। इसके साथ ही, जेवर एयरपोर्ट और फिल्मसिटी जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स में रोजगार के अवसरों को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित सेक्टर स्किल काउंसिल्स के माध्यम से युवाओं के प्रशिक्षण की कार्यवाही पूरी भी कर ली गई है। सीएम योगी की यह दूरदर्शी कदम युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और राज्य की आर्थिक प्रगति को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

उभरते सेक्टर्स में युवाओं को मिल रहा विशेष प्रशिक्षण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ने युवाओं के लिए एक नई क्रांति की शुरुआत की है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स, मीडिया और मनोरंजन जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में युवाओं के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इन क्षेत्रों में मांग के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर सरकार युवाओं को 'रेडी टू वर्क' बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसके अलावा, नागरिक उड्डयन क्षेत्र में भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जो प्रदेश में एयरपोर्ट के विकास के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा।

जेवर एयरपोर्ट और फिल्मसिटी बनेगा रोजगार का नया केंद्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शिता से जेवर एयरपोर्ट और फिल्मसिटी प्रोजेक्ट्स राज्य के विकास का आधार बन रहे हैं। इन परियोजनाओं के लिए सेक्टर स्किल काउंसिल्स ने संभावित रोजगार क्षेत्रों की पहचान कर ली है, और अब प्रशिक्षित युवा इनके क्रियान्वयन के लिए तैयार किए जा रहे हैं। जेवर एयरपोर्ट से एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि फिल्मसिटी नोएडा में मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा देगी, जिससे मीडिया और प्रोडक्शन से जुड़े युवाओं को फायदा होगा। जेवर एयरपोर्ट और फिल्मसिटी से जुड़े प्रशिक्षण से युवा तकनीकी और रचनात्मक क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाएंगे। यह कदम राज्य की जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा और ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में पलायन को कम करेगा।

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिल रहा रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत 14 से 35 वर्ष की आयु के युवाओं को मुफ्त और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। योगी सरकार का लक्ष्य हर युवा को उसके कौशल के आधार पर रोजगार देना है। मिशन के तहत 2800 से अधिक प्रशिक्षण केंद्रों में हर साल तीन लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो राज्य की विकास यात्रा को गति देगा। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मिशन द्वारा वित्तीय वर्ष 2017–18 से मार्च 2025 तक बीते आठ वर्षों में कुल 14,13,716 युवाओं को प्रतिशित किया गया है। साथ ही मिशन दलारा 5,66,483 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। यही नहीं उत्तर प्रदे कौशल विकास मिशन द्वारा बीते आठ वर्षों में उत्पादन और सेवा क्षेत्र से जुड़े 24 प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों को फ्लैक्सी प्रशिक्षण प्रदाताओं को अनुबंधित किया गया है। इसके अलावा 8 प्लेसमेंट एजेंसीज को भी अनुबंधित किया गया है।

बिजली कटौती पर नहीं उठा फोन तो एसडीओ को लगी फटकार

लखनऊ। सीतापुर रोड प्रियदर्शनी कॉलोनी में सोमवार की देर रात ट्रांसफार्मर की तकनीकी खराबी के चलते बिजली जाने से उपभोक्ता परेशान रहे। कई उपभोक्ताओं ने इसकी शिकायत 1912 पर दर्ज कराई, जिसके बाद मंगलवार को मुख्य अभियंता ने इंजीनियरों को फटकार लगाई है। शिकायतकर्ताओं का आरोप था कि बिजली जाने के बाद जब पावरहाउस में फोन किया गया तो किसी ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद मंगलवार को जानकीपुरम के मुख्य अभियंता वीपी सिंह ने जीएसआई बिजली घर का निरीक्षण किया। उन्होंने फोन न उठाने वाले एसडीओ और अवर अभियंता को फटकार लगाई और सभी व्यवस्थाएं पहले से ही दुरुस्त करके रखने के निर्देश दिए।

'विजय' हासिल करना चाहती हैं तमन्ना भाटिया? ट्रेलर लॉन्च पर रिपोर्टर के सवाल पर एक्ट्रेस का करारा जवाब

नई दिल्ली। तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'ओडेला 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से फैंस इस फिल्म का इंतजार कर रहे थे और अब उनका ये इंतजार खत्म होने वाला है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर बड़े धूमधाम से लॉन्च किया गया, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। फिल्म एक सुपरनैचुरल थ्रिलर है, जिसमें तमन्ना का किरदार एक आध्यात्मिक योद्धा का है जो अंधकार से लड़ने के लिए तैयार है। इस दौरान उनसे पर्सनल लाइफ को लेकर भी सवाल किया गया जिसके बाद उन्होंने मजेदार अंदाज में पैपराजी पर पलटवार किया। 'ओडेला 2' के ट्रेलर में तमन्ना को एक दृढ़ निश्चयी शिव भक्त 'शिवा शक्ति' के रूप में दिखाया गया है, जो एक रहस्यमयी और डरावने गांव में व्याप्त बुराई का अंत करने आती हैं। फिल्म की कहानी रहस्य, डर और आध्यात्मिकता के इर्द–गिर्द घूमती है। तमन्ना का किरदार न केवल एक रक्षक की भूमिका में है बल्कि एक ऐसी महिला के रूप में भी दिखाया गया है जो परंपराओं और शक्तियों के बीच संतुलन बनाकर चलती है। पैपराजी ने भी उनके इस किरदार

को ढाल बनाकर एक्ट्रेस से विजय वर्मा को लेकर सवाल पूछ लिया। मुंबई में आयोजित ट्रेलर लॉन्च इवेंट में तमन्ना बेहद खूबसूरत लाल सूट, माथे की बिंदी और गुलाब से सजे बालों के साथ ट्रेडिशनल लुख में नजर आई थीं। इवेंट के दौरान एक रिपोर्टर ने तमन्ना से मजेदार सवाल पूछा: "अगर आपको सुपर नैचुरल पावर मिल जाए, तो ऐसी कोई पर्सनालिटी है, जिनके ऊपर आप तंत्र मंत्र की विद्या से विजय हासिल करना चाहेंगी?" इस पर तमन्ना ने हंसते हुए जवाब दिया, "ये तो आप पर ही करना पड़ेगा। फिर पैपराजी मेरी मुट्ठी में होंगे। आप क्या कहते हैं? कर लें? सर पर ही करले? फिर मैं जो भी कहूंगी, वो सारे पैपराजी सुनेंगे।" उनके इस जवाब पर सभी लोग हंसने लगे। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि गांव में एक दुष्ट आत्मा का साया मंडरा रहा है, जिससे वहां की महिलाएं खास तौर पर डर और असुरक्षा महसूस कर रही हैं। इस बुराई का चेहरा बने हैं वसिष्ठ एन. सिम्हा, जो फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। तमन्ना की 'शिवा शक्ति' इस आत्मा से निपटने के लिए गांव में प्रवेश करती हैं। फिल्म में गहन आध्यात्मिक तत्व, रहस्य और थ्रिल का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा। बता दें कि 'ओडेला 2' सिनेमाघरों में 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

श्रुति हासन ने शेयर की बोल्ड रेड ड्रेस में हॉट तस्वीरें, फोटोशूट में दिखा ग्लैमर और एटीट्यूड

साउथ इंडस्ट्री की टैलेंटेड और बोल्ड एक्ट्रेस श्रुति हासन एक बार फिर अपने स्टाइल और फैशन सेंस के चलते चर्चा में हैं.

एक्ट्रेस ने हाल ही में एक रेड ड्रेस में फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं. इन फोटोज़ में श्रुति का एटीट्यूड, कॉन्फिडेंस और ग्लैमर का जबरदस्त मेल देखने को मिल रहा है. रेड कलर की इस लॉन्ग ड्रेस में श्रुति बेहद हसीन लग रही हैं. उन्होंने ब्लैक बैकड्रॉप के साथ सटल लाइट में कैमरे के लिए दिलकश पोज़ दिए हैं. उनके खुले बाल, सटल मेकअप और स्टाइलिश हील्स ने लुक को और भी क्लासी बना दिया है.

पोस्ट के कैप्शन में श्रुति ने लिखा–क्या शैतान लाल कपड़े पहनता है? या हमें सिर्फ़ एल हटा देना चाहिए ????–उनका यह अंदाज फैन्स को बेहद पसंद आ रहा है. कमेंट सेक्शन में उन्हें गॉर्जियस, फायर, क्वीन जैसे कमेंट्स मिल रहे हैं.

श्रुति हासन अक्सर अपने फैशन एक्सपेरिमेंट्स से सुर्खियां बटोरती हैं और ये तस्वीरें इस बात का एक और सबूत हैं कि वह सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि स्टाइल आइकन भी हैं. उनकी ये तस्वीरें फैन्स के बीच तेजी से वायरल हो रही हैं और हर कोई उनके इस ग्लैमरस लुक की तारीफ कर रहा है.

भारत में किन लोगों को लाल रंग पासपोर्ट मिलता हैं? क्या आप जानते हैं इसकी खासियत

हम सभी को घूमने का शौक जरुर होता है। विदेश में घूमने के लिए पासपोर्ट जरुर चाहिए होता है। अलग–अलग देशों में यात्रा करने के लिए सबसे पहले ही पासपोर्ट जारी किया जाता है। किसी भी देश में जाने के बाद ही एक पासपोर्ट रो ही पहचान का एक सबूत माना जाता है। पासपोर्ट एक ऐसा जरुरी दस्तावेज है, जिसके माध्यम से आप किसी अन्य देश में बिना किसी डर के आराम से घूम सकते हैं। किसी भी देश में एंट्री के लिए पासपोर्ट ही एक जरिया होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पासपोर्ट अलग–अलग रंगों के होते हैं। हम सभी ने ज्यादातार काला रंग का पासपोर्ट देखा है। हालांकि, पासपोर्ट लाल, नीला और सफेद रंग का भी होता है। बॉलीवुड के किंग खान यानी के शाहरुख खान के पास लाल रंग का पासपोर्ट है। आइए आपको बतात हैं किन लोगों को लाल रंग का पासपोर्ट मिलता है।

सफेद रंग का पासपोर्ट किसे दिया जाता है?

कई लोगों को पास सफेद रंग का पासपोर्ट होता है। लेकिन आप नहीं जानते होंगे कि किन लोगों को सफेद पासपोर्ट दिया जाता है। बता दें कि, जो लोग किसी सरकारी काम के चलते दूसरे देश में यात्रा करने जाते हैं, उन्हें सफेद पासपोर्ट दिया जाता है। अगर आपको किसी के पास सफेद पासपोर्ट दिखाई दे, तो इसका मतलब है कि वह व्यक्ति सरकारी अधिकारी भी हो सकता है।

मरुन या लाल रंग का पासपोर्ट किसे दिया जाता है?

इस समय भारत में शाहरुख खान के पास लाल रंग का पासपोर्ट है। मरून या लाल रंग का पासपोर्ट बहुत कम लोगों को मिलता है। यह केवल डिप्लोमेट्स या फिर सीनियर अधिकारियों को मिलता है। वहीं, जिन लोगों के पास सफेद पासपोर्ट होता है, उनको विदेश जाने के लिए वीजा की जरुरत नहीं होती है। इस पासपोर्ट से इमीग्रेशन की पॉलिसी में भी काफी आसानी होती है।

सरकार कैसे पासपोर्ट बनाती है?

पासपोर्ट सरकार के द्वारा जारी किया जाता है। पासपोर्ट एक तय तारीख के लिए बनता है। इसके बाद जब तारीख पूरी होने के बाद इसे फिर से अपडेट कराना होता है। अगर आप पासपोर्ट बनवाना चाहते हैं, तो आप ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

एसडीएम ने गेहूं खरीद केंद्र का किया निरीक्षण

मिश्रिख (सीतापुर)। एसडीएम शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने तहसील क्षेत्र के कुतुबनगर स्थित गेहूं क्रय केंद्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों को सरकारी केंद्रों पर गेहूं बेचने के लिए प्रेरित किया। एसडीएम ने बताया कि सरकारी केंद्रों पर गेहूं का समर्थन मूल्य 2,425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित है।

हेयर रिमूव करने के लिए यूज करें ये 5 तरह के रेजर, खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

शेविंग या रेजर का नाम सुनते ही दिमाग में पुरुषों का ख्याल आ जाता है, लेकिन बदलते दौर में चीजें और उनके इस्तेमाल करने का तरीका भी बदल रहा है. आजकल लड़कियां और महिलाएं भी हेयर रिमूव करने के लिए इस्तेमाल करती हैं. लेकिन महिलाओं के रेजर पुरुषों से बिल्कुल अलग होते हैं. क्योंकि महिलाओं की स्किन और जरूरतें भी पुरुषों से बिल्कुल अलग होती हैं. ऐसे में आपको रेजर खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए. ऐसा करने से न केवल आप अपनी जरूरत के हिसाब से इसे खरीद पाएंगी, बल्कि इसे अच्छे से इस्तेमाल भी कर पाएंगी. जानते हैं ऐसे 5 रेजर के बारे में जो महिलाओं के बहुत काम आ सकते हैं.

ट्रिमर

हेयर रिमूव करने के लिए महिलाएं सबसे ज्यादा ट्रिमर का इस्तेमाल करती हैं. क्योंकि महिलाओं के हेयर बहुत ज्यादा रफ नहीं होते हैं, इसलिए ट्रिमर बहुत अच्छी तरह से रेजर की तरह ही काम करता है. इससे स्किन में इरिटेशन भी नहीं होती है.

इलेक्ट्रिक रेजर

अमूमन इसका इस्तेमाल पुरुष करते हैं. लेकिन कई लड़कियां हेयर रिमूव करने के लिए इसका भी यूज करती हैं. इलेक्ट्रिक रेजर के साथ दिक्कत ये है कि अगर आप इसे ठीक से नहीं करेंगे तो हो सकता है कि हेयर सही से रिमूव न हो पाएं.

स्ट्रेट रेजर

चेहरे से अनचाहे बाल हटाने के लिए स्ट्रेट रेजर्स का इस्तेमाल

किया जाता है. ये रेजर्स बहुत ही शार्प होते हैं. ये बहुत पतले भी होते हैं. इसकी ग्रिप अच्छी होती है. ये हल्के रोएंदार बालों के लिए ही होते हैं. इसे ज्यादा हेवी हेयर ग्रोथ जैसे पैरों पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.

एपिलेटर्स

हेयर रिमूव करने के लिए एपिलेटर्स का इस्तेमाल वैक्सिंग की तरह किया जाता है. ये बालों को जड़ों से ही निकालते हैं. आप जैसे–जैसे अपने एपिलेटर्स को बॉडी के अलग–अलग हिस्सों में घुमाएंगी वैसे ही इसका असर होगा.

डिस्पोजेबल रेजर्स

महिलाओं के लिए सबसे बेस्ट हैं. ये रेजर्स बहुत से शेप और साइज में आते हैं. इन्हें आप अपनी पसंद के अनुसार चुन सकते हैं. इसकी ग्रिप अच्छी होती है तो कट लगने का डर नहीं होता है. महिलाएं हेयर रिमूव करते समय इन बातों का रखें ध्यान' महिलाओं को हेयर रिमूव करते समय धारदार ब्लेड का इस्तेमाल करते समय बहुत सावधानी बरती चाहिए. ' कभी भी रफ स्किन पर शेव न करें. उसकी जगह आप स्किन में थोड़ा साबुन लगाकर भी शेविंग कर सकती हैं.' हेयर रिमूव करने के बाद स्किन को मॉइश्चराइज करने के बारे में जरूर ध्यान रखें.' जल्दी–जल्दी हेयर रिमूव नहीं करना चाहिए. पहले हेयर ग्रोथ पूरी तरह से हो जाने दें.

शहद से जुड़े इन भ्रमों पर कई लोग करते हैं विश्वास, जानिए इनकी सच्चाई

शहद को अक्सर एक प्राकृतिक और सेहतमंद विकल्प के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसके बारे में कई गलतफहमियां भी प्रचलित हैं, जिन पर लोग आंख मूंदकर विश्वास कर लेते हैं।

इस लेख में हम शहद से जुड़े पांच ऐसे भ्रमों की चर्चा करेंगे, जो वास्तव में सच नहीं हैं।

इन भ्रमों की सच्चाई जानकर आप शहद का सही उपयोग कर सकते हैं और अपनी सेहत का बेहतर ख्याल रख सकते हैं।

भ्रम– शहद चीनी का स्वस्थ विकल्प है

कई लोग मानते हैं कि शहद चीनी का सेहतमंद विकल्प है, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। शहद और चीनी दोनों में ग्लूकोज और फ्रक्टोज होते हैं, जो शरीर को समान ऊर्जा देते हैं। शहद में कुछ विटामिन और मिनरल्स होते हैं, लेकिन ये इतनी कम मात्रा में होते हैं कि सेहत पर खास असर नहीं डालते।

इसलिए वजन घटाने या मधुमेह के लिए चीनी की जगह शहद का उपयोग करने वाले सोच–समझकर इसका इस्तेमाल करें।

भ्रम– गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन घटाता है

सुबह–सुबह खाली पेट गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने को वजन घटाने का रामबाण उपाय माना जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि केवल गर्म पानी और शहद पीने भर से वजन कम नहीं होता है।

वजन घटाने के लिए संतुलित आहार और नियमित एक्सरसाइज जरूरी होता है।

हां, गर्म पानी आपके पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और आपको दिनभर तरोताजा महसूस करने में मदद करता है, लेकिन इसका सीधा संबंध वजन घटाने से नहीं होता।

भ्रम– हर प्रकार की खांसी–जुकाम के लिए शहद फायदेमंद होता है

शहद को खांसी–जुकाम के घरेलू इलाज के रूप में देखा जाता है, लेकिन यह हर प्रकार की खांसी–जुकाम पर असरदार नहीं होता है।

कुछ मामलों में जहां बैक्टीरियल संक्रमण हो सकता है या एलर्जी हो सकती है वहां केवल शहद काम नहीं करेगा।

हालांकि, हल्की–फुल्की सर्दी–खांसी या गले की खराश जैसी समस्याओं में यह राहत दे सकता है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो गले को आराम पहुंचाते हैं।

भ्रम– शहद बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित होता है

अक्सर माता–पिता अपने छोटे बच्चों को भी बिना सोचे–समझे

शहद दे देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि यह प्राकृतिक चीज होने के कारण सुरक्षित होगा।

हालांकि, एक साल से कम उम्र के बच्चों को कभी भी शहद नहीं देना चाहिए क्योंकि इसमें बोटुलिज्म नामक बैक्टीरिया हो सकता है, जो छोटे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने पर गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

भ्रम– शहद को त्वचा पर लगाने मात्र से चमक आएगी

शुद्धता और प्राकृतिक गुणों की वजह से कई लोग मानते हैं कि सिर्फ चेहरे पर लगाने भर से त्वचा चमक उठेगी, जबकि असलियत ये होती कि त्वचा की देखभाल सिर्फ बाहरी उपचार तक सीमित न होकर अंदरूनी पोषण भी मांगती होती है। हालांकि, शुद्धता और मॉइस्चराइजिंग गुणों वाली सामग्री जैसे नींबू , दही आदि मिलाकर मास्क बनाकर इस्तेमाल करने पर फायदा जरूर मिल सकता है।

कामदा एकादशी व्रत से भक्त की होती है सभी कामनाएं पूरी

आज कामदा एकादशी व्रत है, कामदा एकादशी का व्रत करने वाले साधक के सभी पाप नष्ट होते हैं और उसकी हर कामना पूरी होती है और जीवन में सुख समृद्धि आती है तो आइए हम आपको कामदा एकादशी व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

जानें कामदा एकादशी व्रत के बारे में

हिन्दू धर्म में हर महीने में 2 बार एकादशी का व्रत किया जाता है। यह तिथि भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ मानी जाती है। पंचांग के अनुसार, हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष में कामदा एकादशी मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कामदा एकादशी व्रत करने से साधक के जीवन में सुख– समृद्धि का वास बना रहता है। सनातन धर्म में एकदाशी का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। सालभर में कुल 24 एकादशी तिथि पड़ती हैं जिनका अलग–अलग महत्व माना जाता है। इन्हीं में से चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी कहा जाता है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है और इस दिन उनके निमित्त व्रत भी रखा जाता है। हालांकि जो लोग एकादशी का व्रत नहीं रखते हैं वे भी इस दिन नियमों के साथ पूजा अर्चना करते हैं। अगर पूजा के दौरान भगवान विष्णु को कुछ विशेष चीजें चढ़ाई जाएं तो इसका पूरा फल आपको प्राप्त होता है। इस साल कामदा एकादशी का व्रत 8 अप्रैल सोमवार को है। इस दिन भगवान विष्णु की पूरे विधि विधान से पूजा की जाएगी और व्रत रखा जाएगा। हर साल चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को कामदा एकादशी का व्रत होता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। पंडितों के अनुसार कामदा एकादशी पर व्रत रखने और पूजा करने से सुख, शांति, धन और खुशियां मिलती हैं। शास्त्रों के अनुसार कामदा एकादशी का व्रत करने वालों को फल के रूप में भगवान श्रीहरि सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। इस दिन विशेष रूप से भगवान विष्णु की पूजा करने का नियम है।

जानें कामदा एकादशी का शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 07 अप्रैल को रात 08 बजे होगी और अगले दिन यानी 08 अप्रैल को रात 09 बजकर 12 मिनट पर खत्म होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि का विशेष महत्व है। इस प्रकार से 08 अप्रैल को

कामदा एकादशी व्रत किया जाएगा।

कामदा एकादशी के दिन ऐसे करें मां तुलसी को प्रसन्न

शास्त्रों के अनुसार आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए कामदा एकादशी के दिन सुबह स्नान करने के बाद तुलसी के पौधे में कच्चे दूध से अर्घ्य दें। इस दौरान दीपक जलाकर आरती करें। साथ ही मां तुलसी से सुख–शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। नीचे दिए गए मंत्र का जप करें। धार्मिक मान्यता है कि इस उपाय को करने से मां तुलसी प्रसन्न होती हैं और आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

कामदा एकादशी का है खास महत्त्व

सनातन धर्म में कामदा एकादशी का व्रत बहुत खास माना जाता है। पंडितों के अनुसार इस व्रत को करने से व्रती के सारे पाप धुल जाते हैं, सभी इच्छाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख–समृद्धि आती है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधि–विधान से की जाती है और कई लोग श्रीहरि को खुश करने के लिए कई उपाय भी करते हैं। इस दिन भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करने का खास महत्त्व बताया गया है। कामदा एकादशी पर दान पुण्य का महत्त्व भी शास्त्रों में बहुत खास बताया गया है। इस दिन अगर कोई व्यक्ति सच्चे दिल से कुछ चीजें दान करता है, तो भगवान विष्णु उसकी इच्छा पूरी कर सकते हैं। कामदा एकादशी पर दान करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भक्तों को मनचाहा फल देते हैं।

कामदा एकादशी व्रत से जुड़ी पौराणिक कथा

विष्णु पुराण के अनुसार, प्राचीन समय में भोगीपुर नामक एक नगर स्थित था, जहां पुण्डरीक नामक एक राजा शासन करते थे। इस नगर में कई अप्सराएं, किन्नर और गंधर्व निवास करते थे। इनमें ललिता और ललित के बीच गहरा प्रेम था। एक दिन, जब गंधर्व ललित दरबार में गा रहा था, अचानक उसे अपनी पत्नी ललिता की याद आई। इस कारण उसका स्वर, लय और ताल तीनों बिगड़ गए। कर्कट नामक नाग ने इस गलती को पहचान लिया और राजा को इसकी सूचना दे दी। राजा को अत्यंत क्रोध आया और उसने ललित को राक्षस बनने का श्राप दे दिया। ललिता को जब यह जानकारी मिली, तो वह अत्यंत दुखी हो गई। उसने श्रृंगी ऋषि के आश्रम में जाकर प्रार्थना की। श्रृंगी ऋषि ने कहा, "हे गंधर्व कन्या! चैत्र शुक्ल एकादशी, जिसे 'कामदा एकादशी' कहा जाता है, निकट है, यदि तुम इस एकादशी का व्रत करोगी और उसके पुण्य का फल अपने पति को अर्पित करोगी, तो वह राक्षस योनि से मुक्त हो जाएगा।" ललिता ने मुनि की आज्ञा का पालन किया और एकादशी व्रत का फल अर्पित करते ही उसका पति राक्षस योनि से मुक्त होकर अपने पूर्व स्वरूप में लौट आया।

कामदा एकादशी के दिन ऐसे करें पूजा, मिलेगा लाभ

पंडितों के अनुसार कामदा एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। इस दिन सुबह उठकर स्नान करके लकड़ी की चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर विष्णुजी की प्रतिमा स्थापित करें। फिर उन्हें फल, फूल और पंचामृत अर्पित करें। घी का दीपक जलाकर व्रत का संकल्प लें और कथा पढ़ें। व्रत के बाद ब्राह्मण या गरीब को भोजन कराएं और अगले दिन द्वादशी तिथि में व्रत खोलें।

जानें कामदा एकादशी का पारण समय

कामदा एकादशी का व्रत रखने वाले लोग 9 अप्रैल को व्रत का पारण करेंगे। व्रत खोलने का शुभ समय सुबह 6 बजकर 2 मिनट से 8 बजकर 34 मिनट तक है। व्रत खोलने के बाद अनाज और पैसे का दान करना अच्छा माना जाता है।

कामदा एकादशी का व्रत करने से नष्ट हो जाते हैं सभी पाप, ऐसे करें भगवान विष्णु की पूजा

आज यानी की 08 अप्रैल 2025 को कामदा एकादशी का व्रत किया जा रहा है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की जाती है। हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को कामदा एकादशी का व्रत किया जाता है। कामदा एकादशी तिथि का व्रत करने से और विधि–विधान से भगवान श्रीहरि और मां लक्ष्मी की पूजा करने से जातक के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। वहीं इस व्रत को करने से राक्षस योनि से छुटकारा मिलता है और घर में सुख–समृद्धि आती है। तो आइए जानते हैं कामदा एकादशी का मुहूर्त, पूजन विधि और महत्व के बारे में...

कामदा एकादशी

बता दें कि चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरूआत 07 अप्रैल की रात 08:00 बजे होगा। वहीं 08 अप्रैल की रात 09:12 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि के मुताबिक 08 अप्रैल 2025 को कामदा एकादशी का व्रत रखा जा रहा है।

पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि करें और स्वच्छ कपड़े पहनें। फिर सूर्य देव को अर्घ्य दें और व्रत का संकल्प लें। अब लकड़ी की एक चौकी पर पीला वस्त्र बिछाकर भगवान विष्णु की मूर्ति स्थापित करें और उनके सामने दीपक जलाएं। अब फल–फूल, तुलसी दल, चंदन, धूप–दीप और नैवेद्य आदि अर्पित करें। इसके बाद विष्णु सहस्त्रनाम या विष्णु स्त्रोत का पाठ करें। एकादशी के दिन व्रत करने वाले व्यक्ति को सात्विक आहार लेना चाहिए।

व्रत पारण

इस व्रत का पारण द्वादशी तिथि को पारण करने पूरा किया जाता है। व्रत पारण करने से

पहले आदरपूर्वक ब्राह्मणों को भोजन कराएं और दान दें। फिर दक्षिणा देकर ब्राह्मणों को विदा करें। इसके बाद व्रती को पारण करना चाहिए।

महत्व

कामदा एकादशी के दिन विधि–विधान से भगवान श्रीहरि विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा–अर्चना की जाती है। कामदा एकादशी का व्रत करने से राक्षस योनि से छुटकारा मिलता है और सर्वकार्य भी सिद्ध होते हैं। कामदा एकादशी का व्रत करने से घर–परिवार में सुख–शांति और समृद्धि बनी रहती है। वहीं पापों का भी नाश होता है और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्रीहरि विष्णु की कृपा से दरिद्रता दूर होती है और शत्रुओं का भी नाश होता है।

पंजाब में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है: हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जालंधर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर हुए विस्फोट को लेकर मंगलवार को पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर हमला बोला और आरोप लगाया कि राज्य में कानून–व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।सैनी ने घटना के बाद कालिया के घर जाकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। जालंधर में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने विस्फोट की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के नेता सुखबीर सिंह बादल ने मंगलवार को कहा कि यह ग्रेनेड हमला पंजाब को अस्थिर करने और इसकी शांति तथा सांप्रदायिक सद्भाव को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) की पंजाब इकाई के प्रमुख अमन अरोड़ा ने मंगलवार को भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी के नेता, मनोरंजन कालिया के आवास पर हुए विस्फोट की घटना का राजनीतिकरण कर रहे हैं। अरोड़ा ने कहा पुलिस ने 12 घंटे के भीतर मामले को सुलझा लिया है।

इंडिगो के विमान में धमकी भरा नोट मिलने से मचा हड़कंप, मुंबई में करवाई आपात लैंडिंगः सभी यात्री सुरक्षित

मुंबई। जयपुर से मुंबई जा रहे इंडिगो के एक विमान में धमकी भरा नोट मिलने से हड़कंप मच गया। एहतियात के तौर पर सोमवार रात 8:43 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया और विमान को सुरक्षित उतारा गया। फ्लाइट रात करीब 8:50 बजे उतरी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को फिलहाल एक रिमोट बे में पार्क किया गया है। अब विमान की जांच की जा रही है। एयरपोर्ट संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा है। छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (सीएसएमआईए), एयरलाइन और सुरक्षा एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। सीएसएमआईए का कहना है कि यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सूत्रों ने बताया कि विमान में 225 यात्री सवार थे। विमान के शौचालय में बम की धमकी वाला नोट मिला था, जिसके कारण विमान को आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। सीएसएमआईए ने एक बयान में कहा, जयपुर (जेएआई) से मुंबई (बीओएम) जा रहे एक विमान में एक धमकी भरा नोट मिला। एहतियात के तौर पर रात 8:43 बजे मुंबई हवाई अड्डे पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। विमान 8:50 बजे सुरक्षित रूप से उतरा। एयरपोर्ट संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। बता दें कि इससे पहले, मुंबई से वाराणसी जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करनी पड़ी। हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उड़ान के दौरान एक बुजुर्ग यात्री की मौत हो गई थी। यह आपात लैंडिंग रविवार रात को हुई, जब 89 वर्षीय सुशीला देवी, जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर की रहने वाली थीं, को उड़ान के दौरान अस्वस्थता महसूस हुई। क्रू ने उनकी मदद करने की कोशिश की और विमान को नजदीकी हवाई अड्डे की ओर मोड़ा, लेकिन चिकित्सा सहायता मिलने से पहले ही स्थिति गंभीर हो गई और उनकी मृत्यु हो गई।

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक, मौलाना उमरैन बोले– मुसलमान डरता नहीं है

मुंबई। वक्फ संशोधन कानून को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच महाराष्ट्र के मालेगांव स्थित मस्जिद में बुधवार को बैठक हुई। यह बैठक ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड की तरफ से बुलाई गई थी, जिसमें मुस्लिम मौलानाओं ने हिस्सा लिया और इस कानून का जोरदार विरोध किया। बैठक में शिरकत करने वालों ने कहा कि हम इस तरह के किसी भी कानून को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं, जिससे वक्फ की संपत्ति को नुकसान पहुंचे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव मौलाना उमरैन महफूज रहमानी ने इस बैठक के बारे में पूरी जानकारी दी। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा था कि वक्फ संशोधन कानून से वक्फ की संपत्ति को खतरा है। लिहाजा हमारी सरकार से मांग है कि इसे वापस लिया जाए। हम इस तरह के कानून को मौजूदा समय में किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। उन्होंने वक्फ संशोधन कानून को केंद्र सरकार की मनमानी बताते हुए कहा कि इस देश का मुसलमान किसी से डरता नहीं है। अगर हुकूमत को ऐसा लगता है कि मुसलमान डरता है, तो मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि इस देश का मुसलमान किसी से डरना नहीं जानता है। उन्होंने कहा कि आप जरा यह भी याद रखिए कि मुसलमान वो कौम नहीं है, जो आपकी धमकियों से डर जाएगा। धमकी उसे दीजिए, जो डरना जानते हों। मुसलमान अपने आपको डर और खौफ से उठाकर अपना ऐतबार अल्लाह पर रखता है, इसलिए आप हमें नहीं डराएं। अगर आप हमें डराएंगे, तो मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि आपकी गोलियां कम पड़ जाएंगी, लेकिन हमारे सीने कम नहीं पड़ेंगे। हम कुर्बानी देंगे और अपनी मंजिलों तक पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि वैसे तो यह कानून 1995 में बनाया गया था, जिसका हम स्वागत भी करते हैं, लेकिन अब जिस तरह से इसमें संशोधन किए गए हैं, हम उसे स्वीकार नहीं कर सकते हैं। हम इसे वापस लिए जाने की मांग करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारा यह लोकतांत्रिक अधिकार है कि जो चीजें हमें नुकसान पहुंचाएं, हम उसके खिलाफ जोरदार तरीके से आवाज उठाएं और हम मौजूदा समय में वही कर रहे हैं और करते रहेंगे, जब तक कि इस कानून को वापस नहीं लिया जाता है। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून की वजह से कई तरह की दुश्वारियां पैदा हो सकती हैं, जिसे देखते हुए हम इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में हमने पूरे देश के मुसलमानों के लिए दिशानिर्देश जारी किया है कि वे इस कानून का एकजुट होकर विरोध करें।

समाचार पत्रों के प्रकाशन पर सरकार ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली। भारत सरकार के प्रेस पंजीकरण कार्यालय नई दिल्ली ने प्रकाशित होने वाले सभी समाचार पत्रों के लिए पुरानी गाइड लाइन में संशोधन करते हुए नई गाइड लाइन जारी की है। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया आफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनुराग सक्सेना के हवाले से केन्द्रीय सलाहकार सदस्य डा.ए. के.राय ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 10 मार्च 2025 को सरकार ने एक नई गाइडलाइन (एडवाइजरी नं. 03/2025) जारी की है जिसके अनुसार। अब जो भी समाचार पत्र पीडीएफ पर चल रहे हैं, उन सभी को प्रकाशित करना अनिवार्य किया गया है। प्रेस पुस्तक पंजीकरण के नियम 10 के अनुसार दैनिक/साप्ताहिक/पाक्षिक/मासिक समाचार पत्र प्रकाशित होने के 48 घंटों के भीतर समाचार पत्र के प्रिंट वर्जन को स्कैन करके उसको अपनी आईडी से प्रेस सेवा पोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक होगा। उदाहरण के तौर पर यदि आप दैनिक समाचार पत्र चला रहे है तो रोजाना समाचार पत्र के प्रिंट वर्जन को स्कैन करके जेपीजी या पीडीएफ फॉर्मेट में अपलोड करना होगा एवं साथ ही हर माह की 5 तारीख से पहले पीआईबी के प्रादेशिक कार्यालय में प्रिंट कॉपी जमा करानी होगी। हर माह समाचार पत्र की कॉपी अपलोड करने के बाद आपको अपनी आईडी से एक नियमितता सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा उसी के आधार पर समाचार पत्र को नियमित माना जाएगा। यदि किसी कारणवश कॉपी अपलोड नहीं की जाती है तो उस समाचार पत्र को अनियमित माना जाएगा एवं 12 माह तक अनियमित रहने पर समाचार पत्र का शिर्षक (टाइटल) रद्द किया जा सकता है। इसके साथ ही प्रिंटिंग प्रेस को भी पाबंद किया है कि आपके यहां छपने वाले समाचार पत्रों की डिटेल अपलोड करें कि किस समाचार पत्र की कितनी कॉपी आपके यहां प्रिंट हुई है। सरकार द्वारा इस गाइडलाइन के जारी होने के बाद समाचार पत्र संचालकों पर अब सिर्फ पीडीएफ के रूप में अखबार चलाना आसान नहीं होगा और अपलोड नहीं किए जाने की सूरत में समाचार पत्र का रजिस्ट्रेशन निरस्त किया जाएगा। बताते चलें कि पहले विभाग के आदेशानुसार आरएनआई ने समाचार पत्र की कॉपी 48 घंटे मे आरएनआई मे जमा करने का आदेश किया था जिसके विरोध मे जेसीआई ने मा0 प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर व मा0 सांसद सहारनपुर फजिउर्हमान के पत्र द्वारा सरकार व मा0 सूचना एवं प्रसारण मंत्री को विरोध दर्ज कराया था जिसके चलते सरकार ने अपने पुराने आदेश को संशोधित कर दिया।

परम पूज्य संत श्री आशारामजी बापूके साधक समिति द्वारा श्री राम नवमी तथा रामजन्मोत्सव के निमित्त रविवार दिनांक 06 अप्रैल को मुलुंड पश्चिम उपनगर प्रांत मे प्रभात फेरी निकाली गई।

ओम शांती

विशेष मार्गदर्शन

विश्व स्वास्थ दिवस के उपलक्ष में रविवार दिनांक 6 एप्रिल 2025 मुरली के पश्चात 7.30 बजे से 9 बजे तक विशेष मार्गदर्शन करेंगे आदरणीय डॉक्टर संदीप सिंग जी साई आरोग्य डायबिटीस ऑनलाइन स्टाईल बिमारीयो के प्राकृतिक रूप से आयुर्वेदिक डिटॉक्स और पोषण से कैसे ठीक करे इस विषय पर मार्गदर्शन करेंगे तो सभी को समय पर शिव वरदानी भवन मे पोचना है और स्वास्थ्य ठीक रखने का मार्गदर्शन का लाभ लेना है।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक
पूजा प्रसाद पाण्डेय
मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।

सोच अच्छी ख़बर सच्ची